मैं माफी मांगता हूँ...

अरविंद केजरीवाल

अन्ना ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को फिर से खत लिखा है।लेकिन इस बार यह खत चुपचाप से आया है।हमेशा से जिसतरह अन्ना की हर बात पर हर काम पर उनकी टीम चिल्ला चिल्ला कर सबको बताती थी,इस बार अन्ना को सब अकेले करना पड़ा।दरअसल जिस तरह अन्ना की टीम कहलाने वाली चौकड़ी अब अन्ना से अपना पीछा छुड़ाना चाहती है उससे साफ हो गया है कि अन्ना अब अकेले पड़ गए हैं। लोकपाल के नाम पर आम जनता के बीच अपनी जगह बनाने वाले अन्ना टीम के सदस्य इन दिनों जिस तरह से राजनीतिक गलियारों में अपना भविष्य तलाश रहे हैं वहां अन्ना अपने लिए कोई जगह नहीं पा रहे।ऐसे में टीम और अन्ना के बीच जबरदस्त मतभेद सामने आ रहे हैं। दरअसल एक के बाद एक इस पूरी टीम की पोल सामने खुलती रही वह अन्ना की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती रही है। लेकिन वॉन टीम की इस एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में आप यह समझ पाऐंगे कि अन्ना टीम के महान सदस्यों की सचाई आखिर क्या है।और ऊपर से मजबूत दिखने वाले इस टीम के बीच आपसी मतभेद कितने ज यादा है। और अपना हित साधने के लिए अन्ना और उनकी टीम के लोग किस तरह से झूठ को सच और सच को झूठ बनाते हैं।देशभक्ति की बात कर और तिरंगा लहरा-फहरा कर अपने जनआंदोलन का माहौल तैयार करने वाले अन्ना टीम के सदस्यों के अपने देश को बंटने की साजिश,भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज़ उठाने वाले इन लोगों के भ्रष्ट काम और इनकी सचाई बताने वालों के खिलाफ इनकी साजिश यह सबकुछ हमारे सामने आया है अरविंद केजरीवाल की जबानी।अरविंद केजरीवाल ने इस टीम से जुड़े तमाम विवादों के बारे में खुलासे किए।

प्रशांत अपना स्टेटमेंट नहीं बदलेंगें - अरविंद

केजरीवाल प्रशांत पर

केजरीवाल - वो इन्सिडेंट जब हुआ वो हम सबके लिए दुखदायी था। उनकी उस स्टेटमेंट से हम कोई भी सहमत नहीं हैं। ..... लेकिन प्रशांत वो स्टेटमेंट बदलेंगे नहीं।

रिपोर्टर-नहीं मैंने बदलने की बात ही नहीं की है।

केजरीवाल - वो ये भी नहीं कहेंगे की मैंने गलती से ये स्टेटमेंट दे दिया

रिपोर्टर - नहीं मैंने गलती से नहीं.....मैं बस इतना ही कह रहा हूं की ये क्षण भी ऐसे स्टेटमेंट के लिए ठीक नहीं था और मुझे अलग फोरम में रखना चाहिए था इस स्टेटममेंट को, सच में ये कहना कोई गलत बात नहीं होगी।

केजरीवाल - प्रशांत से कहलवाना थोड़ा मुश्किल है लेकिन हम लोगों ने अपनी तरफ से जितना स्ट्रॉग से स्ट्रांग हो सकता था हमने बोल दिया...तुमने देखा होगा...।

रिपोर्टर - हां बिल्कुल-बिल्कुल

केजरीवाल - कुमार विश्वास ने तो कहा की ये असंवैधानिक स्टेटमेंट है...ये है वो है उसके बाद मैंने पूरी कोर कमिटी की मीटिंग बुला के इतना स्ट्रॉग स्टेटमेंट ड्रॉप कर दिया। अन्ना ने खुद कह दिया, हम सबने कह दिया तो उस स्टेटमेंट से तो हमारी कोई लायबलिटी नहीं है...।

रि. - एक बात और, की उन्होंने आईसीसी के विशेष में नहीं बोला था।

केजरीवाल - नहीं, वो जो भी फोरम पर बोला हो वो स्टेटमेंट गलत था। फोरम बोलो तो टेक्लनिकल चीज लेकिन जो भी बोला था वो गलत था है ना...। और देखो लगता है इसतरह की आज जिम्मेदारी जो आई है हमारे ऊपर इस तरह के स्टेटमेंट जो भी बोलो किसी भी फोरम के ऊपर सोच-समझ कर बोलना चाहिए। अब पांच छह किसी भी फोरम पर बोला आपको पता है दिया तो इसी फोरम से जाएगा।

रि.-हां ऐसा ही हुआ

केजरीवाल - इन्फैक्ट सबसे ज्यादा नुकसान हुआ महाराष्ट्र के मराठी अख़बार के फ्रंट पेज पर बैनर हेडलाईन थी अन्ना हजारे डिमांड क्लैरिफाई ऑन कश्मीर, अंदर लिखा हुआ था प्रशांत भूषण। मतलब ये था की अन्ना हजारे ने डिमांड किया अलग कश्मीर का। ...तो प्रशांत जो भी बोलेंगे इसका मतलब है अन्ना हजारे बोल रहें हैं, मैं जो भी बोलूंगा इसका मतलब अन्ना हजारे बोल रहें हैं।

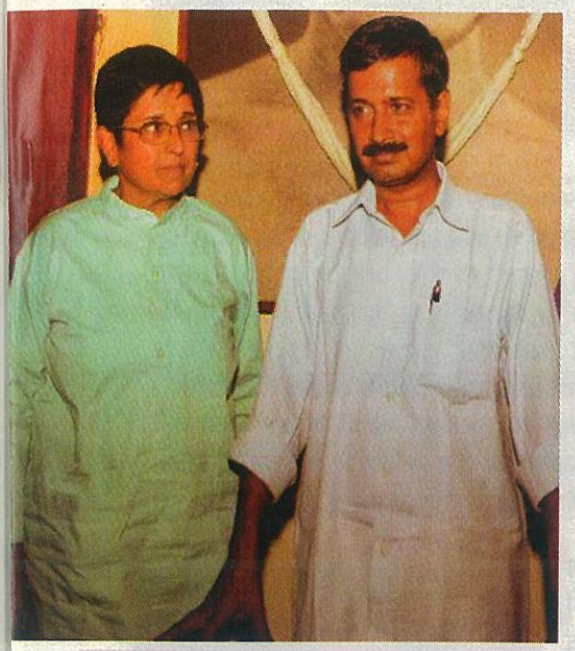

केजरीवाल किरण बेद पर

किरण बेदी ने जो किया वो करप्शन था – अरविंद

अरविंद– दूसरी चीज आपने कहा, किरण बेदी वाली। किरण बेदी के मामले में जो कुछ उसने किया, वो गलत था और कल मैंने बोला उसने मुझसे पूछा उसको करना चाहिए था मैंने कहा नहीं करना चाहिए था और आगे से वो नहीं करेगी। उसके ट्रस्टीज ने ट्रस्ट ने बोला रेकोजिशन बात करके उसको निकाल दिया की फिर आगे मत करना। लेकिन वो करप्शन नहीं है। दोनों में डिफरेंस है।तो आपने जब ये दिया था मिसकंडक्ट, तो मिसकंडक्ट में भी करप्शन होती है, ये बहुत लाईट वर्ड है ईरैगुलैरिटी होना चाहिए था ईरैगुलैरिटी। मैंने यही बार–बार बोला की अपने जो भी जिसने भी उसको बुलाया उसे उसको बता कर वो करना चाहिए था सीधे–सीधे कहती मुझे डोनेशन दे दो मेरे उसमें डोनेशन मांग लेती। भई, दान ही लेना था तो ये कान को यूं क्यों पकड़ा सीधे भी पकड़ सकती थी। तो उसने पैसे का गबन तो नहीं किया लेकिन साथ–साथ जो किया वो ठीक नहीं किया ये बात मान रहें हैं और कह रहे हैं। मतलब इससे स्ट्रांगली तो मैं बोल ही नहीं सकता की उन्होंने जो किया वो गलत किया।

रि– हां क्योंकि ऐसा मैं सोचता हूं की सबकुछ कानून डिफाईन करे ये जरुरी नहीं।

मैं राजू पारूलेकर को सॉरी बोलूँगा

केजरीवाल राजू पारूलेकर पर

केजरीवाल – तीसरा क्या था

रि–तीसरा यही पूछना था की ये जो उपहास बनाया गया राजू जी को वो चाहे सच हो या गलत हो उसे किसी और वे में भी कहा जा सकता था।

केजरीवाल– इक्जैक्टली क्या था याद नहीं आ रहा

रि.– था यही की मीडिया में आया राजू पारुलेकर जो आपका ब्लॉग लिखता है उसने आपके किसी पत्र का जो आपने पब्लिश नहीं किया ब्लॉग पे उसके बारे में वो लिखने लगा

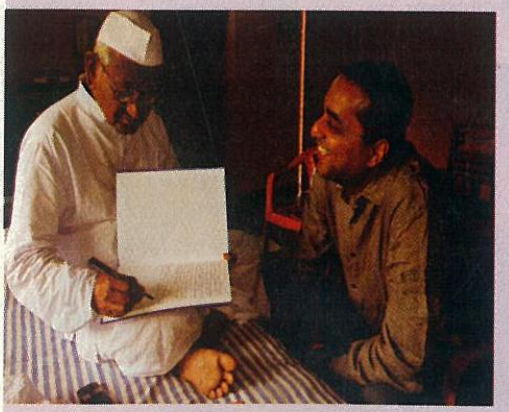

केजरीवाल ङ्क इसमें था की मैं कोर कमिटी भंग करने वाला हूं

रि.– उसी पर उन्होंने कहा था, रिप्लाई किया था की नहीं मैं ऐसा किसी राजू को नहीं जानता

केजरीवाल – इसने कहा वो पारुलेकर ने अपने ब्लॉग पर लिखा है, राजू से उसकी बात डिफरेंट है। पारुलेकर के नाम से कहोगे तो अन्ना पकड़ नहीं पाएगा.....। अन्ना राजू, राजू के बारे में जो बाइट थी वो नेचुरल बाइट थी। अन्ना से कॉन्फ्रेंस में पूछा गया की हुआ क्या। पारुलेकर ने बोला, पारुलेकर अन्ना पकड़ नहीं पाए कहा ऐसा मैं किसी को जानता नहीं हूं। फिर किसी ने कहा अन्ना राजू

रि. हां,

केजरीवाल– मैंने कहा था

रि. राजू इस बात पे भी नाराज़ है। मैंने अन्ना के कान में बोला की ये राजू के बारे में बात कर रहें हैं। जब अन्ना ने कहा ना की पारुलेकर को मैं जानता ही नहीं हूं, मैंने अन्ना को कहा की ये राजू के बारे में, तब अन्ना ने कहा की हां ये राजू से मेरा कोई साइड स्टेटमेंट है वो सच है। मैंने उसको हॉस्टल के कमरे में भेज दिया वो उसको बुरा लग गया।

केजरीवाल – मैं अभी राजू को फोन करने ही वाला हूं, आज मुझे टाईम नहीं मिल पाया। मेरे को बताया कुछ लोगों ने तो मैं उसको सॉरी बोलने वाला हूं। क्योंकि किसी को गलत पब्लिक्ली बेइज्जत करना हमारा मकसद नहीं है। आपको ये भी अप्रीसिएट करना चाहिए कि हमारे में से एक ने भी गाली नहीं दी है। और उसने जगह–जगह कितनी गालियां दी हैं, हां मैं मानता हूं वो आहत हुआ मैं सहमत हूं इतनी गालियों के बावजूद हमारे में से किसी ने गलत नहीं बोला है।

उससे तो उसने कहा बिल्कुल नहीं दर्ज कराया जा सकता और 19 अगस्त का ये केस दर्ज हुआ हमारे खिलाफ 455 । तो उन्होंने कहा 455 न. हो ही नहीं सकता।

केजरीवाल – लेकिन डिफरमेशन करेंगे कैसे जब आदमी नहीं पता तो

रि. इमेल दिया था इमेल एडरेस पर जो उसकी आईडी है तो आइडेंटीफाइ करना कोई बड़ी बात नहीं है।..... क्योंकि जो मुद्दे हैं उसमें बहुत दम है और अगर आप सोचें

केजरीवाल – लेकिन अपनी डिफरेंसेज पब्लिक में नहीं ले जानी चाहिए। क्योंकि पार्लियामेंट वालों को मौका मिलता है। क्योंकि जब भी मुझे कहोगे, एसएमएस कर दिया करो हम फोन पर बात कर लेंगे। तुम्हारी हमारी कोई दुश्मनी नहीं है। हमारा क्या है की कोई दुश्मन है भी तो उसे दोस्त बनाना है। और बाकी क्या बात करनी है...

■ रंजन